दै. पत्रिका, भोपाल 14 JAN 2011

मुख्यमंत्री की घोषणा

रीवा में प्रदेश के पहले अंत्योदय मेले का उद्घाटन

भाजपा अध्यक्ष बोले- मप्र सरकार गरीबों की हमदर्द

गरीबों को 45% बजट

ब्यूरो @ भोपाल/रीवा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सरकार गरीबों पर पूरा ध्यान देगी और उनकी संख्या के हिसाब से राज्य के बजट का 45 प्रतिशत हिस्सा उन पर खर्च करेगी। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा गुरुवार को रीवा में पहले अंत्योदय मेले के दौरान की। प्रदेश के इस ऐतिहासिक मेले में करीब 1 लाख की भीड़ जुटी। मेले में 56 हजार हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। खास बात यह रही कि इसका उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने किया और उन्होंने शिवराज सरकार के कामकाज की जमकर तारीफ की और उसे भ्रष्टाचार के मामले में क्लीनचिट दे दी। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दल भी इस बारे में अंगुली नहीं उठा सकते। राज्य सरकार गरीबों के हित में काम कर रही है।

गरीब सर्वोपरि

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में

मेले में जनता से मिलते मुख्यमंत्री।

कहा कि भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए गरीब सर्वोपरि है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में जनता अधिकारियों के चक्कर काटती रहती थी। आज स्थिति यह है कि मंत्री हो या अधिकारी गांव-गांव पहुंच रहे हैं।

पैसे के अभाव में नहीं मरेगा कोई

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी गरीब को पैसे के अभाव में मरने नहीं दिया जाएगा। 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता तो दी ही जा रही है, बड़ी बीमारी होती है तो मुख्यमंत्री अनुदान योजना के तहत उसका इलाज करवाया जाएगा। मेले में 17 स्टाल लगे। मंत्रियों के अलग से मंच बनाए गए। इसमें 16 मंत्रियों जनसंपर्क मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री अर्चना चिटनिस, महिला बाल विकास मंत्री रंजना बघेल, कृषि मंत्री रामकृष्ण कुसमारिया, वन मंत्री सरताज सिंह आदि मौजूद थे।

आस के साथ पहुंचे

शिव्बू खटीक आयु 14 वर्ष की विधवा पेंशन स्वीकृत कर दी, जबकि वह पुरुष है।

लल्ली साकेत को एक साल बाद दोबारा परिवार सहायता स्वीकृत कर दी।

एक पैर से विकलांग हरदीगुढ़ निवासी 66 वर्षीय राम सजीवन वैशाखी का सहारा लेकर वृद्धावस्था पेंशन की आस में मेले में पहुंचने के लिए संघर्ष करता रहा। पत्नी सम्पति सहारा दे रही थी। ऐसी ही स्थिति बिलाला की थी।

सरकार का बेटा नहीं रहा

परसिया गोविंदगढ़ निवासी अनुज विश्वकर्मा का परिवार भी मेले में पहुंचा। अनुज और किडनी रोग से पीड़ित उसके पिता दिनकर विश्वकर्मा की मुख्यमंत्री से उनके 18 दिसंबर के दौरे के दौरान मुलाकात हुई थी। मुख्यमंत्री ने दिनकर को सरकार का बेटा बताते हुए उपचार के लिए पूरी मदद का भरोसा दिलाया था, लेकिन मुख्यमंत्री के जाते ही उसका पिता सतना और रीवा जिला प्रशासन के बीच फुटबॉल बन गया। उसे कोई मदद नहीं मिली और 24 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। अनुज इसकी गुहार के लिए आज भी आया, लेकिन सीएम से मिल नहीं पाया।